बी. बी. एच. एफ.– 001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई, 2021 एवं जनवरी, 2022 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.बी.एच.एफ.–001

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रमः बी.बी.एच.एफ.–001 / 2021–22

प्रिय छात्र / छात्राओं,

जइसन कि हम ' कार्यक्रम दर्शिका ' में बतवले रहीं कि 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम में एगो सत्रीय कार्य करेके होई । इ निर्णय के अनुसार भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम बी.बी.एच.एफ–001 का केवल एगो सत्रीय कार्य करे के बा। इ सत्रीय कार्य ह । सत्रीय कार्य खातिर 100 अंक निर्धारित कइल गइल बा । इ सत्रीय कार्य खंड 1 से 4 पर आधारित बा ।

उद्देश्यः– शिक्षक जॉच सत्रीय कार्य के मुख्य उद्देश इ जांचे के बा कि हम पाठय–सामग्री के केतना समझनी अउर हम खुद ओके आपन शब्द में कइसे प्रस्तुत कर सकिला । एहिजवा पाठ्यक्रम सामग्री के पुनः प्रस्तुति से तात्पर्य नइखे बलुक अध्ययनके दौरान जवन कुछ सीखलीं अउर समझलीं उ आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकीं ।

इ पाठ्यक्रम के उद्देश्य भाषा के विभिन्न कौशल के विकास करेके बा। इ कौशल हः सुन के समझल, पढल, बोलल अउर लिखल । ऐकरा खातिर भाषा के आधारभूत तत्व पर अधिकार प्राप्त करेके होई। भाषा सीखे के उद्देश्य इ बा कि हम ओकरा माध्यम से विचार के आदान–प्रदान कर सकीं, विविध विषय के पढ़के हम समझ सकीं अउर आपन शब्द में ओकरा के व्यक्त कर सकीं अउर साहित्य पढ़ के ओकर रसास्वादन ले सकीं । सत्रीय कार्य से इ जान सकिला कि हमनी के भोजपुरी भाषा के व्यावहारिक उपयोग में केतना दक्षता प्राप्त भइल। प्रश्न के उत्तर देवे से पहिले निम्नलिखित निर्देष के सावधानी पूर्वक अध्ययन करेके होई ।

सत्रीय कार्य खातिर आवश्यक निर्देश

1. सत्रीय कार्य के संबंध खंड 1 से 4 तक बा। ऐह में भिन्न प्रकार के प्रश्न पूछल गइल बा जेकर उद्देश्य भाषा के आधारभूत तत्व पर आपन लेखन क्षमता जॉचे के बा। कुछु प्रश्न के उत्तर संक्षिप्त रूप में देवे के बा।
2. इ सत्रीय कार्य में कुछु प्रश्न निबंधात्मक बा । जेकर उत्तर पठित इकाइयन के आधार पर हमनी के निर्धारित शब्द में देवे के बा। एगो प्रश्न के दिहल गइल अवतरण के भाव पक्ष के व्याख्या पर आधारित बा। एगो दोसरा अन्य प्रश्न में हमनी के दुगो टिप्पणियां लिखे के बा। सत्रीय कार्य में व्याकरण संबंधी प्रश्न पूछल गइल बा। कहावत अउर लोकोक्ति के वाक्य में प्रयोग करेके संबंध में विभिन्न प्रश्न पुछल गइल बा। एगो प्रश्न निबंध लिखे के बारे में बा। एगो अन्य प्रश्न साहित्य से संबंधित बा । एगो प्रश्न आलेख से संबंधित बा। एह प्रकार से इ प्रश्न से जहॉ एक ओर रउआ में साहित्य संबंधी समझ विकसित होई उहें दूसरका ओर हमनीके भोजपुरी भाषा के आपन प्रयोग में भी सुधार ला सकीला। उत्तर लिखत समय भाषागत शुद्धता के विशेष ध्यान रखे के बा।

   उत्तर देवे खातिर हमनी के निम्नलिखित विधि से तैयारी करल जाइ त हमनी खातिर लाभप्रद रही ।

1. सबसे पहिले सत्रीय कार्य के ध्यान से पढ़ीं। फिर एह से संबंधित इकाई के अध्ययन करीं। अन्त में प्रश्न के सबंध में कुछ खास बात नोट करके अउर ओकरा के तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कर लेवे के होई ।
2. अभ्यास : उत्तर के प्रारूप लिखे से पहिले नोट कइल गइल बात पर विचार करेके होई। अनावश्यक बात के हटा दिहल जाई । अउर प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार करेके होई। संदर्भ अउर व्याख्या वाला प्रश्न में इ अवश्य जांच लीं कि संदर्भ में कहल गइल बात दिहल गइल अंश के अनुरूप बा कि ना। व्याख्या में भी क्रमबद्धता,तार्किकता अउर स्पष्टता होखे के चाही । व्याकरण संबंधी प्रश्न आ उ प्रश्न जेकर उत्तर एगो–दूगो भा एगो–दूगो पंक्ति में देवे के बा उहां आपन उत्तर पर ठीक तरह से विचार कर लेवे के होई। अगर हम बिना समझे पुस्तक या अन्य कौनो स्रोत के सहायता से उत्तर दे दिहनी तब ऐकरा से हमनीं के कौनो लाभ ना होई अउर सत्रांत परीक्षा में हमनीं के अइसन प्रश्न के सही उत्तर ना दे सकब । निबंधात्मक अउर टिप्पणीपरक प्रश्न में आरंभ अउर उपसंहार पर विशेष ध्यान देवे के पड़ी। उत्तर के आरंभ में प्रश्न के संक्षिप्त व्याख्या अउर आपन उत्तर के दिशा के संकेत जरूर दे देवे के चाही । मध्य भाग में हमनी के उत्तर के मुख्य भाग क्रमबद्ध अउर तार्किक ढंग से प्रस्तुत करेके पड़ी । उपसंहार में उत्तर के सार देवे के चाही ।

इ सुनिश्चित कर लीहीं कि

(क) हमनी के उत्तर तार्किक अउर सुसंगत होखे,
(ख) वाक्यों अउर अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता होखे,
(ग) उत्तर सही ढंग से लिखल गइल हो अउर जवन हमनी के अभिव्यक्त, शैली अउर प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल होखे,
(घ) उत्तर प्रश्न के निर्धारित शब्द से अधिक लंबा ना होखे, अउर
(ङ.) हमनी के लेखन में भाषागत त्रुटि ना होखे, विशेष रूप से मा्त्रा अउर व्याकरण संबंधी गलती से बचे के पड़ी ।

3. प्रस्तुतिः जब रउआ आपन उत्तर से एकदम संतुष्ट हो जई जा तब ओकरा के साफ अउर सुंदर अक्षर में उत्तर पुस्तिका में लिख लिहीं अउर जवन बात पर जोर देवेके चाहतानी, उ रेखांकित कर दिहीं जा ।

शुभकामना के साथे

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथिः

जुलाई 2021 सत्र के लिएः 31 मार्च, 2022

जनवरी सत्र के लिएः 30 सितंबर, 2022

नोटः याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

भोजपुरी में आधार पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य
खंड–1 से खंड–4 पर आधारित

सत्रीय कोड–बी.बी.एच.एफ.–001/टी.एम.ए./2021–22
कुल अंक – 100

सभे प्रश्न के उत्तर दीं

1. नीचे दिहल गइल वाक्य में से (√) अउर (X)के चिन्ह लगाके सही गलत के पहचान करीं। 10

(क) मॉरिशस में भोजपुरी भाषा प्रचलित बा। () सही () गलत
(ख) कलकत्ता में भोजपुरी बोले वाला के बहुतायत नइखे। () सही () गलत
(ग) सोहर वियाह के अवसर पर गावे वाला गीत ह। () सही () गलत
(घ) कई गो भक्त कवि के भाषा भोजपुरी बा। () सही () गलत
(ड़) शैलेन्द्र के पूर्वज मूल रूप से भोजपुर के धुसपुर गॉव के रहन। () सही () गलत
(च) कबीर के भाषा मलयालम रहे। () सही () गलत
(छ) पूर्व राष्ट्पति प्रणव मुखर्जी भोजपुरी भाषी बाड़न। () सही () गलत
(ज) लीला मिश्रा पहिलका भोजपुरी फिलिम के नायिका रही। () सही () गलत
(झ) छठ भोजपुर क्षेत्र में भी होला। () सही () गलत
(अ) रसभरी फल के भोजपुरी में भटकोइयॉ कहल जाला। () सही () गलत

2. नीचे दिहल गइल प्रश्नन के उत्तर दु–तीन पंक्तियन में दिहीं । 5X2 10

(क) हरेन्द्रदेव नारायण के बारे में लिखीं।
(ख) शेरशाह सूरी के बारे में लिखी।
(ग) एक भोजपुरी उपन्यास के बारे में लिखीं।
(घ) कवि हीरा डोम के बारे में लिखीं।
(ड़) जय प्रकाश नारायण के बारे में बताई।

3. निम्नलिखित में से कौनो दुगो पर बीस–बीस पंक्तियन में लिखीं 5X2 10
(क) धरीक्षण मिश्र
(ख) मोती बी.ए.
(ग) राहुल सांकृत्यायन
(घ) भोजपुरी के पहिलका फिलिम
(ड.) डॉ. विवेकी राय

4. सही शब्द चुन के वाक्य पूरा करीं। 5
(क) बीरकुॅअर सिंह _____ भोजपुरी के महाकाव्य रहे। (पहिलका/दुसरका/तिसरका)
(ख) गोभी ________ है। (फल/फूल/सब्जी)
(ग) लुग्गा _________ के पर्याय शब्द ह। (धोती/फ्राक/साड़ी)

(घ) दियरी _________ के पर्याय शब्द ह। (दीपक/लालटेन/मोमबत्ती)

(ङ) खाजा एगो ________ ह। (मिठाई/फल/शब्जी)

5. नीचे लिखल किताब के सामने सही लेखक के नाम रख के मिलान करीं। 6

(क) डॉ राजेन्द्र प्रसाद सिंह (मानक भोजपुरी वर्तनी)

(ख) आचार्य विश्वनाथ सिंह (भोजपुरी व्याकरण, शब्दकोश आ अनुवाद के समाधन)

(ग) डॉ. उदयनारायण तिवारी (भोजपुरी साहित्य का इतिहास)

(घ) डॉ.कृष्णदेव उपाध्याय (भोजपुरी भाषा आ साहित्य)

(ड़) डॉ तैयब हुसैन पीड़ित (भोजपुरी भाषा का इतिहास)

(च) श्री रास बिहारी पाण्डेय (भोजपुरी इतिहास की रूप रेखा)

6. निम्नलिखित के विलोम शब्द लिखीं – 9

(क) पाकल

(ख) बड़

(ग) पातर

(घ) तातल

(ड़) भोर

(च) मेहरारू

(छ) लईका

(ज) उझराईल

(झ) नउका

7. नीचे लिखल गद्यांश के सप्रसंग व्याख्या करीं। 15

नर– समाज जब करवट लेला
जुग बदलेला, क्रान्ति मचेला।।
टूटेला सब बन्धन– माया,
चूमे पद परिवर्तन– छाया
अटल हिमालय तब डोलेला
सब सूतल सपना बोलेला।।
कड़क उठेला बज्र गगन में
किरन नचेला सावन–घन में,

8. पाठ के आधार लेके खटिया निबंध के विश्लेषण करीं। 15

9. 'रजाई' कहानी के उद्देश्य पर एगो आलेख लिखीं। 10

10. नीचे लिखल विषय में से दुगो पर पचास–पचास पंक्तियन में आपन विचार व्यक्त लिखीं। 5**X**2 10

(क) भोजपुरी पत्रिका

(ख) भोजपुरी सिनेमा

(ग) भोजपुरी चित्रकला

(घ) भोजपुरी साहित्य में स्त्री चेतना

.––x–